

प्रेषक,

हरिचन्द सेमवाल,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

**પ્રમુખ અભિયન્તા,**

सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,

देहरादून ।

## सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक २५ मई, 2023

**विषय:-** वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुदान संख्या-20 पूंजीलेखा के राज्य सैक्टर मानसून अवधि में बाढ़ कार्यों का सम्पादन/क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों का पुनर्निर्माण/बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों के अन्तर्गत निर्माणाधीन योजनाओं हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-325/प्र०अ०/सं०वि०/बजट/बी-1(सामान्य)/कैम्प, दिनांक 09.05.2023 में किये गये प्रस्ताव के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अनुदान संख्या-20 पूंजीलेखा के राज्य सैक्टर मानसून अवधि में बाढ़ कार्यों का सम्पादन/क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों का पुनर्निर्माण/बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों के अन्तर्गत निर्माणाधीन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति के दृष्टिगत **संलग्नक-1** में अंकित योजनाओं के अवशेष कार्यों हेतु **रु० 678.39 लाख (रूपये छः करोड़ अटहत्तर प्रषष्ठ उन्तालिस हजार मात्र)** की धनराशि, योजनाओं की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सम्बन्धी शासनादेश संख्या-453/॥(2)/2020-03(06)/2016, टी०सी०, दिनांक 05.03.2021, शासनादेश संख्या-17/॥(02)/2021-04(34)/2020, दिनांक 10.03.2021, शासनादेश संख्या-1198/॥(02)/2021-04(06)/2021, दिनांक 30.03.2021, शासनादेश संख्या-1700/॥(02)/2021-04 (145)/2021, दिनांक 01.11.2021, शासनादेश संख्या-1713/॥(02)/2021-04(45)/2021, दिनांक 28.12.2021, शासनादेश संख्या-1720/॥(02)/2021-04(44)/2021, दिनांक 28.12.2021, शासनादेश संख्या-49/॥(02)/2022-03(06)/2016, दिनांक 07.01.2022, शासनादेश संख्या-50/॥(02)/2022-03(06)/2016, दिनांक 07.01.2022, शासनादेश संख्या-29/॥(02)/2022-04(03)/2022, दिनांक 08.01.2022 एवं शासनादेश संख्या-40298/2022, दिनांक 06.06.2022 में वर्णित शर्तों एवं प्रतिबन्धों तथा निम्न शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) उक्तानुसार अवमुक्त की गयी धनराशि के व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017 (यथा संशोधित) तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाये।
- (2) धनराशि आवंटित करने से पहले प्रत्येक कार्य हेतु पूर्व में स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष उसकी भौतिक प्रगति का सत्यापन सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता द्वारा किया जायेगा, कार्य मानकानुसार पाये जाने व भौतिक प्रगति उचित पाये जाने के उपरान्त ही धनावंटन किया जाय।
- (3) योजनाओं पर एकमुश्त धनराशि अवमुक्त की जा रही है। धनराशि योजनाओं पर आवश्यकतानुसार आवंटित की जाये।
- (4) स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2024 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जाये। उक्त अवमुक्त की जा रही<sup>1</sup>धनराशि के सम्बन्ध में यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय

